PAGE No

DATE

पाँचवाँ सप्ताह 27/07/2026 - 31/07/2026

* कार्यपत्रिका P.A.02-02
* दोहराई कार्य (प्रश्नोत्तर, शब्दार्थ याद करना)
* लेखन अभ्यास (श्रुतलेखन)

पाठ 4 समय मूल्यवान है

यह कविता समय के महत्व को बताती है।

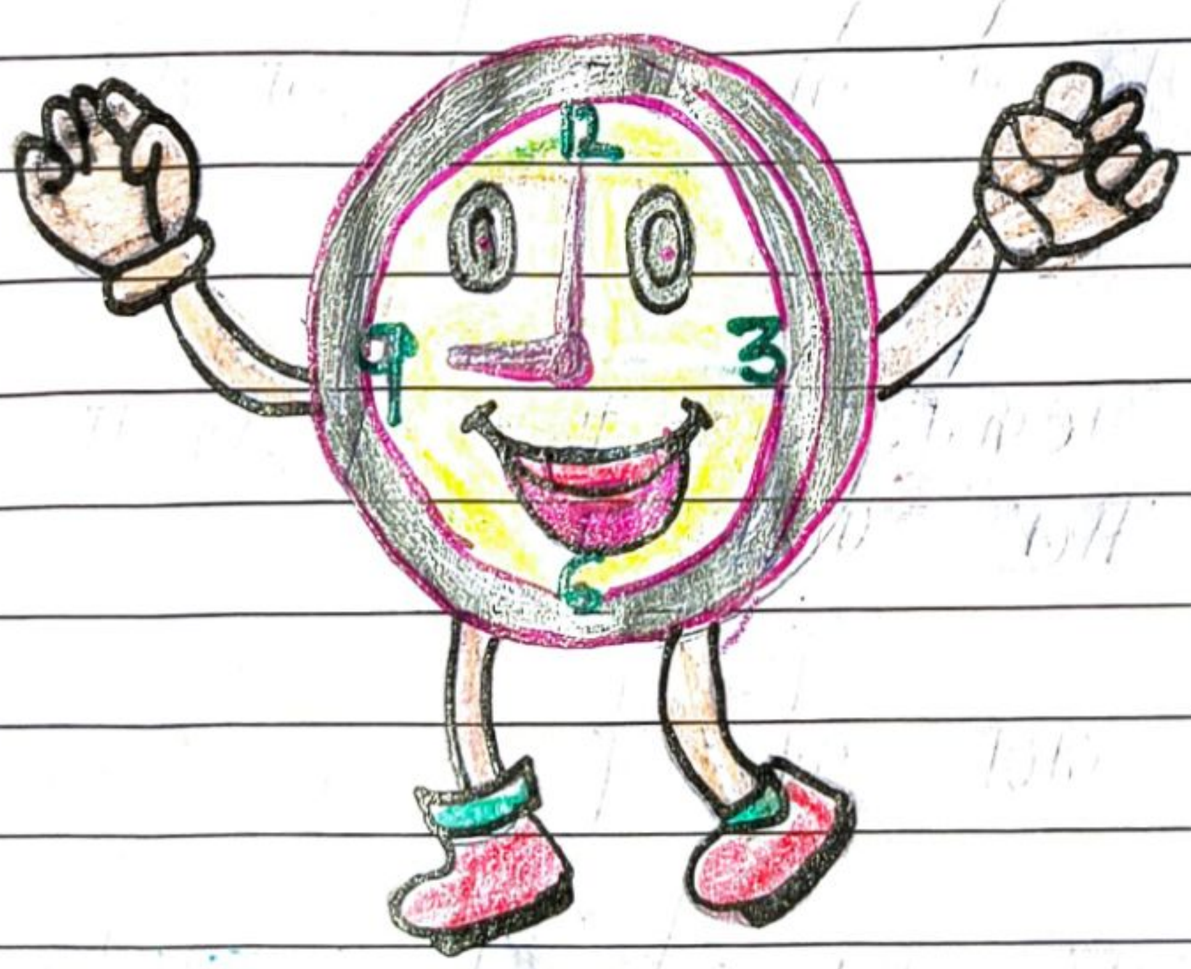

श्रुतलेखन शब्द

जन्म	मूल्यवान	व्यर्थ	मनुष्य
विद्या	जीवन	घड़ी	क्षण
बरबादी	नियम	यत्न	धन

गृहकार्य

शब्दार्थ - कॉपी में लिखें व याद करें।

प्रश्नोत्तर - कुछ शब्दों में

प्र० क मनुष्य धन फिर से कैसे पा सकता है?

उत्तर मनुष्य परिश्रम के द्वारा फिर से धन पा सकता है।

प्र० ख विद्या कैसे आती है?

उत्तर विद्या पढ़ाई करने से आती है।

प्र० ग जीवन भर भटकने के बाद भी क्या नहीं मिल पाता है?

उत्तर जीवन भर भटकने के बाद भी खोया हुआ समय नहीं मिल पाता है।

प्र० घ किन्हें एक क्षण की भी बरबादी खटकती थी?

उत्तर बापू को एक क्षण की भी बरबादी खटकती थी।

कुछ वाक्यों में

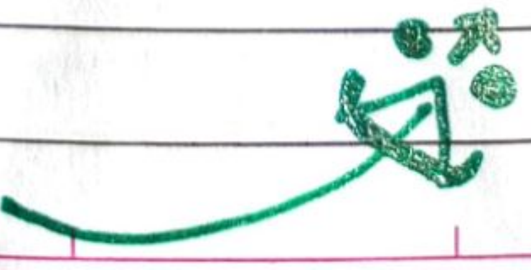

प्र०क कैसे लोग पछताते और क्यों?

उत्तर समय को खोनेवाले लोग पछताते हैं क्योंकि उन्हें खोया हुआ समय वापिस नहीं मिल पाता।

प्र०ख कौनसी चीज़ें खो जाने के बाद भी मिल सकती है? कैसे?

खोया हुआ धन मेहनत करने से मिल सकता है, बिगड़ा हुआ स्वास्थ्य उपचार से ठीक हो सकता है, खोई हुई विद्या भी पढ़ने से मिल जाती है।

प्र०ग बापू अपने साथ घड़ी हरदम क्यों रखते थे?

उत्तर बापू अपने साथ घड़ी हरदम इसलिए रखते थे ताकि वे समय के एक-एक क्षण का उपयोग कर सकें। ✓

प्र०घ कवि ने कविता में क्या गाँठ बाँधने के लिए कहा है और क्यों?

कवि ने कविता में एक क्षण भी न गँवाने की गाँठ बाँधने के लिए कहा है क्योंकि समय का सदुप्रयोग करने वाले को सुख नहीं मिलता।

Test book.

बोलिए

1. **पढ़िए**

उ. छात्र स्वयं करें।

2. **बताइए**

क. समय को मूल्यवान क्यों कहा जाता है?

उ. खोया हुआ समय कोई भी कीमत देकर वापस नहीं पाया जा सकता इसलिए समय को मूल्यवान कहा जाता है।

ख. श्रम करने से मनुष्य क्या पा सकता है?

उ. श्रम करने से मनुष्य खोया हुआ धन पा सकता है।

ग. पढ़ने से क्या मिलता है?

उ. पढ़ने से विद्या मिलती है।

घ. बापू की कटि में क्या लटकती रहती थी?

उ. बापू की कटि में घड़ी लटकती रहती थी।

ङ. समय के अलावा और क्या-क्या मूल्यवान होता है? बताइए।

उ. समय के अलावा हमारा स्वास्थ्य, हमारी विद्या और हमारे आचार-विचार भी मूल्यवान होते हैं। इन्हीं के कारण हम अपना जीवन सफल बना सकते हैं।

3. **सोचिए / मूल्यपरक प्रश्न**

क. हमें कब लगता है कि समय बीत गया और वह फिर कभी नहीं आएगा?

उ. हमें असफल होने पर लगता है कि समय बीत गया और वह फिर कभी नहीं आएगा?

ख. आप समय का सदुपयोग करने के लिए क्या करेंगे?

उ. मैं समय का सदुपयोग करने के लिए बेकार बातों में समय नहीं गँवाऊँगा। मैं नियमानुसार अपने सभी कार्य करूँगा।

लिखिए

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

क. उपचार करने से हम क्या पा लेते हैं? ✓ स्वास्थ्य

ख. किसकी कटि में घड़ी लटकती रहती थी? ✓ बापू की

2. **पंक्तियाँ पूरी कीजिए—**

धन खो जाता, ...श्रम करने से फिर मनुष्य है पाता,...
...स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर... उपचारों से है बन जाता।
विद्या खो जाती, ...फिर भी पढ़ने से है आ जाती,...
...लेकिन खो जाने से... मिलती नहीं समय की थाती।

3. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. मनुष्य धन फिर से कैसे पा सकता है?

उ. मनुष्य परिश्रम के द्वारा फिर से धन पा सकता है।

ख. विद्या कैसे आती है?

उ. विद्या पढ़ाई करने से आती है।

ग. जीवनभर भटकने के बाद भी क्या नहीं मिल पाता है?

उ. जीवनभर भटकने के बाद भी खोया हुआ समय नहीं मिल पाता है।

घ. किन्हें एक क्षण की भी बरबादी खटकती थी?

उ. बापू को एक क्षण की भी बरबादी खटकती थी।

4. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. कैसे लोग पछताते हैं और क्यों?

उ. समय को खोनेवाले लोग पछताते हैं क्योंकि उन्हें खोया हुआ समय वापस नहीं मिल पाता।

ख. कौन-कौन सी चीज़ें खो जाने के बाद भी मिल सकती हैं? कैसे?

उ. खोया हुआ धन मेहनत करने से मिल सकता है, बिगड़ा हुआ स्वास्थ्य उपचार से ठीक हो सकता है, खोई हुई चीज़ भी पढ़ने से मिल जाती है।

ग. बापू अपने साथ घड़ी हरदम क्यों रखते थे?

उ. बापू अपने साथ घड़ी हरदम इसलिए रखते थे ताकि वे समय के एक-एक क्षण का उपयोग कर सकें।

घ. कवि ने कविता में क्या गाँठ बाँधने के लिए कहा है और क्यों?

उ. कवि ने कविता में एक क्षण भी न गँवाने की गाँठ बाँधने के लिए कहा है क्योंकि समय का सदुपयोग करनेवाले को ही दुख नहीं मिलता।

5. भाव स्पष्ट कीजिए—

चला गया जो ..... कभी मत खोना।

उ. दी गई पंक्तियों का भाव यह है कि जो समय बीत गया वह कभी वापस लौटकर नहीं आता। अतः जो व्यक्ति बेकार के कार्यों में समय गँवाता है उसे पछताना पड़ता है। जो समय को सम्मान नहीं देता, समय भी उस व्यक्ति को सम्मान नहीं देता। ऐसे व्यक्ति बहुत प्रसन्न करने पर भी अपने खोए हुए समय को वापस प्राप्त नहीं कर सकता। समय का एक क्षण भी मूल्यवान होता है। एक क्षण में हार जीत में बदल जाती है। अतः एक-एक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए।

समझिए व्याकरण संबोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए—

काल	समय	मृत्यु	लाख	सौ हज़ार	लाह (एक पदार्थ)
कर	हाथ	टैक्स	घड़ी	एक यंत्र	समय का एक मान

2. संज्ञा शब्दों से इन पंक्तियों को पूरा कीजिए—

क. धन खो जाता, श्रम करने से फिर ...मनुष्य... है पाता।

ख. ...स्वास्थ्य... बिगड़ जाने पर उपचारों से है बन जाता।

ग. जीवनभर भटको, छानो, ...दुनिया... का कोना-कोना।

घ. रहती थी ...बापू... की कटि में हरदम घड़ी लटकती।

3. दिए गए शब्दों से शब्द परिवार बनाइए—

मूल्य	मूल्यवान	अमूल्य	बड़ा	बड़ाई	बड़प्पन
श्रम	परिश्रम	श्रमशील	धन	धनवान	निर्धन
लाभ	लाभकारी	लाभांश	हित	हितकर	परहित